

BNS- 229 मिथ्या साक्ष्य देना कब अपराध होता है कब नहीं होता है-

आरोपी स्वयं को बचाने के लिए किसी भी सरकारी विभागों से लेकर न्यायालय तक झूठ पर बोलते रहते हैं एवं झूठे साक्ष्य देकर न्यायालय को या सरकारी विभागों को गुमराह करते रहते हैं लेकिन वह ये नहीं जानते की झूठा साक्ष्य देना भी अपराध होता है जानिए -

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 227 की परिभाषा ??

जो कोई शपथ या कानूनी घोषणा के तहत असत्य बयान देता है, जिसे वह जानता है कि वह असत्य है, तो वह मिथ्या साक्ष्य देने का अपराधी होगा।+

उदाहरण के लिए-



युवा प्रदेश समाचार पत्र

- लेखक बीआर
अहिरवार (एडवोकेट एवं
विधिक सलाहकार
होशंगाबाद) 9827737665

- यदि कोई व्यक्ति अदालत में शपथ लेकर झूठा बयान देता है, तो वह मिथ्या साक्ष्य देने का अपराधी होगा।

- यदि कोई व्यक्ति पुलिस को झूठा बयान देता है, तो वह मिथ्या साक्ष्य देने का अपराधी होगा।

- यदि कोई व्यक्ति कानूनी दस्तावेज में झूठा बयान देता है, तो वह मिथ्या साक्ष्य देने का अपराधी होगा।

अपवाद-

- यदि कोई व्यक्ति शपथ या कानूनी घोषणा के तहत असत्य बयान देता है, लेकिन वह इस बात से अनजान है कि वह असत्य है, तो वह मिथ्या साक्ष्य देने का अपराधी नहीं होगा।

- यदि कोई व्यक्ति शपथ या कानूनी घोषणा के तहत असत्य बयान देता है, लेकिन वह इस बात से विश्वास करता है कि वह सत्य है, तो वह मिथ्या साक्ष्य देने का अपराधी नहीं होगा।

मिथ्या साक्ष्य देना निम्न स्थितियों में अपराध होता है-

1. अदालत में शपथ लेकर झूठा बयान देना।
2. पुलिस को झूठा बयान देना।
3. कानूनी दस्तावेज में झूठा बयान देना।
4. न्यायिक प्रक्रिया में झूठा बयान देना।
5. सरकारी अधिकारी को झूठा बयान देना।
6. कानूनी अनुसंधान में झूठा बयान देना।
7. शपथ पत्र में झूठा बयान देना।
8. कानूनी घोषणा पत्र में झूठा बयान देना।
9. अदालती कार्यवाही में झूठा बयान देना।
10. विधिक प्रक्रिया में झूठा बयान देना।

पुलिस को झूठा बयान देना निम्न स्थितियों में अपराध होता है-

1. शपथ के तहत झूठा बयान देना- यदि आप पुलिस के समक्ष शपथ लेकर झूठा बयान देते हैं, तो यह अपराध हो सकता है।
2. कानूनी अनुसंधान में झूठा बयान देना- यदि आप पुलिस को किसी अपराध की जांच के दौरान झूठा बयान देते हैं, तो यह अपराध हो सकता है।
3. अपराध की जांच में झूठा बयान देना- यदि आप पुलिस को अपराध की जांच के दौरान झूठा बयान देते हैं, तो यह अपराध हो सकता है।
4. झूठी शिकायत दर्ज करना- यदि आप पुलिस में झूठी शिकायत दर्ज करते हैं, तो यह अपराध हो सकता है।
5. गवाही में झूठा बयान देना- यदि आप पुलिस के समक्ष गवाही देते समय झूठा बयान देते हैं, तो यह अपराध हो सकता है।

पुलिस को झूठा बयान देना निम्न स्थितियों में अपराध नहीं होता है-

1. अनजाने में झूठा बयान देना- यदि आप अनजाने में पुलिस को झूठा बयान देते हैं, तो यह अपराध नहीं है।
2. भय या दबाव में झूठा बयान देना- यदि आप भय या दबाव में पुलिस को झूठा बयान देते हैं, तो यह अपराध नहीं है।
3. मानसिक अस्थिरता में झूठा बयान देना- यदि आप मानसिक अस्थिरता में पुलिस को झूठा बयान देते हैं, तो यह अपराध नहीं है।
4. बचाव में झूठा बयान देना- यदि आप अपने बचाव में पुलिस को झूठा बयान देते हैं, लेकिन आपका उद्देश्य अपराध छिपाना नहीं है, तो यह अपराध नहीं है।
5. गैर-आयोगिक बयान- यदि आप पुलिस को गैर-आयोगिक बयान देते हैं, जैसे कि अपनी राय या अनुमान, तो यह अपराध नहीं है।

जनकल्याण पर्व: बुंदेलखण्ड का हर व्यक्ति होगा खुशहाल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पन्ना की जल कलश यात्रा, संत सम्मेलन में 98 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की दी सौगात



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पन्ना में आयोजित जल कलश यात्रा, संत सम्मेलन और लोक कल्याण शिविर में 98 करोड़ रुपये के 13 विकास कार्यों की सौगात देते हुए कहा कि 25 दिसम्बर से बुन्देलखण्ड क्षेत्र की प्रगति के नये द्वार खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बुन्देलखण्ड का हर व्यक्ति खुशहाल होगा। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेई की 100वीं जयंती पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का खजुराहो में शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना क्षेत्र के अजयगढ़ में 100 सीटर कन्या और 50 सीटर बालक छात्रावास बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का

कार्यक्रम में बुन्देलखण्ड पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को भगवान श्री जुगल किशोर की पेंटिंग भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुन्देलखण्ड विकास की बदौलत अब नये दौर में पहुँच रहा है। देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना के क्रियान्वयन से बुन्देलखण्ड की तस्वीर और तकदीर बदलेगी। बहुप्रतीक्षित केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना से वृहद स्तर पर सिंचाई एवं पेयजल सुविधा मिलेगी। साथ ही बिजली उत्पादन, कई फसलों की पैदावार एवं पर्यटन क्षेत्र में विकास से नागरिकों का जीवन खुशहाल होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को पन्ना के शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के खेल

मैदान में जल कलश यात्रा, संत सम्मलेन एवं जनकल्याण पर्व में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर जनकल्याण पर्व मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत 20 वर्ष से लंबित पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना से चंबल एवं मालवांचल में खुशहाली आएगी। 70 हजार करोड़ रुपये लागत की इस परियोजना का निर्माण भी अब निर्बाध रूप से होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब कल्याण के लिए कृत संकल्पित है। धार्मिक क्षेत्र में भी विकास की अपार संभावना है। इसके लिए सरकार प्रयासरत है। तीर्थ क्षेत्रों के विकास के साथ सर्वसमाज एवं सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। उद्योगों के माध्यम से रोजगार के अवसर में बढ़ोत्तरी का प्रयास भी किया जा रहा है। गत दिनों में संभाग स्तर पर सफलतापूर्वक रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए गए हैं। इंग्लैंड और जर्मनी की यात्रा के दौरान भी निवेशकों को आगामी फरवरी माह में भोपाल में प्रस्तावित इन्वेस्टर समिट के लिए आमंत्रित किया गया है खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना बुन्देलखण्ड की जीवन रेखा साबित होगी। इससे क्षेत्र के लाखों लोगों को पेयजल सुविधा और किसानों को सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन एवं सकारात्मक सोच के फलस्वरूप अन्य विकास योजनाएँ भी क्रियान्वित होंगी। पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार का भागीरथी प्रयास सराहनीय है।

साइबर क्राइम के बदलते स्वरूप से समाज को जागरूक करना जरूरी:राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विज्ञान और तकनीक की उन्नति ने साइबर अपराधों के स्वरूप को बदला है। साइबर अपराध के बदलते पैटर्न जैसे- डिजिटल अरेस्ट, हैकिंग, फिशिंग आदि से समाज को जागरूक करना बहुत जरूरी है। राज्यपाल श्री पटेल मेनित भोपाल में 'रिसेंट ट्रेड्स इन इमेज प्रोसेसिंग एण्ड पैटर्न रिकग्निशन' विषय पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आर.टी.आई.पी. 2 आर- 2024 के शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह तीन दिवसीय सम्मेलन भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में मेनित परिसर में आयोजित किया गया है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आज का समय डिजिटल युग है। इसलिए समाज को विज्ञान और तकनीक के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्षों के बारे में जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने विशेषज्ञों से कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित विज्ञान और तकनीकी ज्ञान की प्रगति का समाज और राष्ट्र के हित में विमर्श करें। सम्मेलन के माध्यम से तकनीक के परिवर्तनकारी क्षेत्रों के विकास में अपना योगदान देने आगे आए।



राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत समृद्ध है। राज्य में तकनीकी और औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक दूरदर्शी दृष्टिकोण और अपार संभावनाएँ हैं। प्रदेश की नीति और रीति, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के विषय के अनुरूप है। उन्होंने पारस्परिक सहयोग से डिजिटल क्रांति के मुख्य घटक इमेज प्रोसेसिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सम्भावनाओं पर पहल की सराहना की। राज्यपाल श्री पटेल ने सरस्वती प्रतिमा पर पुष्प अर्पण और दीप प्रज्वलन कर सम्मेलन का शुभारम्भ किया। उनका पुष्प-गुच्छ से स्वागत और शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में साऊथ डकोटा यूनिवर्सिटी यू.एस.ए. के विषय विशेषज्ञ श्री के.सी. संतोष, दुबई में कार्यरत डॉ. विनयातोष मिश्रा ने इमेज प्रोसेसिंग और पैटर्न रिकग्निशन विषय पर शोध की सम्भावनाओं पर प्रकाश डाला।

मध्यप्रदेश बनेगा मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म का केंद्र : प्रमुख सचिव श्री शुक्ला



भोपाल। प्रमुख सचिव, पर्यटन और संस्कृति विभाग एवं प्रबंध संचालक, म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश आने वाले समय में मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म का केंद्र बनेगा। मध्यप्रदेश पर्यटन गन्तव्य स्थल अपने आप में वेलनेस स्थल है। यहां प्राकृतिक सुंदरता और शांति के साथ आयुर्वेदीय जड़ी बूटियों और औषधीय वनोपज की पर्याप्त उपलब्धता है। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में स्वास्थ्य पर्यटन और वेलनेस से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के समूह और राज्य के हेल्थ, मेडिकल और टूरिज्म के प्रमुख हितधारकों को संबोधित कर रहे थे। श्री शुक्ला ने कहा कि पर्यटन के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता के दृष्टिगत मध्यप्रदेश अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सेवाएँ देने के लिए सक्षम है। विदेश और अन्य राज्यों की तुलना में चिकित्सा सुविधाएँ काफी सस्ती हैं। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने चिकित्सा और पर्यटन के सभी हितधारकों को साझा प्रयास कर मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

BNSS -48(1), गिरफ्तार व्यक्ति की जानकारी आरोपी व्यक्ति के मित्र, परिवार वालों को देना जरूरी है जानिए-

जब कोई व्यक्ति गिरफ्तार किया जाता है और थाने में रखा जाता है , तो पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार व्यक्ति की जानकारी देनी होती है यह जानकारी गिरफ्तार व्यक्ति के मित्र, परिवार वालों, या नामनिर्दिष्ट व्यक्ति को दी जाती है एवं इस जानकारी देने के लिए पुलिस अधिकारी कानूनी रूप से बाध्य होते हैं जानिए- **भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 48 की उपधारा 01 की परिभाषा ??** गिरफ्तारी करने वाले व्यक्ति की, गिरफ्तारी आदि

के बारे में, नातेदार या मित्र को जानकारी देने की बाध्यता - इस संहिता के अधीन कोई गिरफ्तारी करने वाला प्रत्येक पुलिस अधिकारी या अन्य व्यक्ति, ऐसी गिरफ्तारी और उस स्थान के बारे में, जहां गिरफ्तार किया गया व्यक्ति रखा जा रहा है, जानकारी, उसके मित्रों, नातेदारों या ऐसे अन्य व्यक्ति को जिसे गिरफ्तार किए गए व्यक्ति द्वारा ऐसी जानकारी देने के प्रयोजन के लिए प्रकट या नामनिर्दिष्ट किया जाए तथा जिले में पदाभिहित

पुलिस अधिकारी को भी तुरंत देगा । **साधारण शब्दों में कहे तो-** जब पुलिस अधिकारी कोई व्यक्ति गिरफ्तार करता है।

तो वह गिरफ्तारी की जानकारी गिरफ्तार व्यक्ति के परिवार या मित्रों को जानकारी देगा एवं गिरफ्तार व्यक्ति को रखने के स्थान की जानकारी देगी साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को भी जानकारी देगा।

उदाहरण के लिए -

पुलिस अधिकारी एक व्यक्ति को चोरी के आरोप में गिरफ्तार करता है, तब पुलिस अधिकारी उस आरोपी के परिवार को गिरफ्तारी की जानकारी देगा एवं पुलिस अधिकारी बताता है कि गिरफ्तार व्यक्ति को कहां रखा गया है एवं किस कारण गिरफ्तार किया गया है, साथ ही पुलिस अधिकारी जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को भी यह जानकारी देगा। **लेखक बीआर अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)**

तहसील उदयपुरा में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत बाबू की ट्रैक्टर ट्रॉली और कार की टक्कर में मौत।



संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

उदयपुरा में बीती रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 40 वर्षीय राजेश धाकड़ की मौत हो गई। यह हादसा रात करीब 10 बजे टोल टैक्स नाके के पास हुआ, जब राजेश अपनी अल्टो कार से बरेली से उदयपुरा लौट रहे थे। ट्रैक्टर ट्रॉली अचानक उनकी कार के सामने आ गई, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

चालक की मौके पर मौत

दुर्घटना के तुरंत बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायल चालक को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, राजेश धाकड़ उदयपुरा तहसील के कंप्यूटर ऑपरेटर थे और पटना गांव के निवासी थे।

परिवार पर टूटा दुख का पहाड़

राजेश अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों (एक बेटा और एक बेटी) को छोड़ गए हैं। वे तीन भाइयों में से बीच के भाई थे। उनकी असामयिक मृत्यु से परिवार में शोक का माहौल है।

सबल योजना की राशि का वितरण

ज्ञान चन्द शर्मा बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा बुधवार को सिंगल क्लक कर डीबीटी के माध्यम से जिले के सबल योजना हितग्राहियों के खातों में अनुग्रह सहायता राशि वितरण की गई बुधवार दोपहर 12.30 बजे मुख्य मंत्री कार्यकर्ता भोपाल में एंटी चैम्बर में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका लाइव प्रसारण कार्यक्रम कलेक्टर बालाघाट के एनआईसी कक्ष में आयोजित किया गया मुख्य मंत्री डॉ मोहन यादव ने बालाघाट जिले से अनुग्रह सहायता के सामान्य मृत्यु के 319 प्रकरणों में 6 करोड़ 38 लाख रुपये एवं दुर्घटना मृत्यु के 22 प्रकरणों में 88 लाख रुपये का वितरण सिंगल क्लक के माध्यम से किया इस प्रकार से कुल 341 प्रकरणों में 7 करोड़ 26 लाख रुपये का वितरण किया गया एनआईसी कक्ष में लाइव प्रसारण के दौरान कलेक्टर मृणाल मीना नपा अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर एवं योजना शाखा सभापति श्रम पदाधिकारी दामिनी सिंह एवं हितग्राहियों की उपस्थिति रही।

संविधान की शपथ लेकर गृह मंत्री बने अमित शाह द्वारा

अंबेडकर जी का अपमान देश की जनता का अपमान है: प्रदीप अहिरवार



कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

भोपाल - मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार के नेतृत्व में आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के समीप कांग्रेसजनों ने बाबा साहेब अमर रहें के नारे लगाकर संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान करने और उनकी आलोचना करने के विरोध में देश के गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। श्री अहिरवार ने कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे अमित शाह ने जिस तरह लोकसभा में सार्वजनिक तौर पर

- संविधान से देश चलता है, अमित शाह देश की जनता से माफी मांगे
- कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन कर अमित शाह का पुतला दहन किया

करे तो देश की कानून व्यवस्था कैसी चलेगी, यह देश की जनता समझ सकती है? श्री अहिरवार ने कहा कि बाबा साहेब ने दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और महिलाओं को संविधान में प्रदत्त अधिकार दिये, वे सर्वहारा वर्ग के मसीहा हैं। देश की जनता को समतामूलक, समावेशी भावना को दृष्टिगत रखते हुये स्वतंत्रता से जीने के मौलिक अधिकार दिये, उसी की परिणति है कि आजादी के बाद आज तक हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। देश संविधान से चलता है। अमित शाह ने



लोकसभा में जिस प्रकार से बाबा साहेब अंबेडकर जी का अपमान किया है, देश की जनता से उनको माफी मांगना चाहिए। केन्द्र की मोदी सरकार को अमित शाह को गृह मंत्री के पद से इस्तीफा लेना चाहिए। श्री अहिरवार ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अमित शाह ने देश की जनता से माफी नहीं मांगी तो कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग को पूरा अजा वर्ग अमित शाह के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे, उग्र आंदोलन कर मध्यप्रदेश से लेकर दिल्ली तक कूच करने के लिए विवश होगा। विरोध प्रदर्शन के दौरान मप्र कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, पूर्व राज्यसभा सदस्य राजमणि पटेल, भूपेन्द्र गुप्ता, रवि सक्सेना, स्वदेश शर्मा, अमित शर्मा, आनंद जाट, अभिनव बरोलिया, मिथुन अहिरवार, किरन अहिरवार, पवन पटेल, हेमंत नरवरिया, मुकेश बंसल, विनोद सूर्यवंशी, नीरज चंडाले, कुनाल गजभिये, टीआर गेहलोद, विकी कंडारे, शुभम इंद्रासे, दर्शन कोरी, जे.पी. रोहर, रामकन्हैया, विनोद बघेल, शुभम अहिरवार, विनय मालवीय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

18 दिसंबर: गुरु घासीदास जी की जयंती की समस्त मानव जाति को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मानव मानव एक समान गुरु घासीदास जी का सिद्धांत

सतनाम आंदोलन चलाकर जिसने, किया था समाज का सुधार। आज उसी गुरु घासीदास जी के, कार्यों को बताते हैं चमत्कार।

1

जात-पात और ऊंच-नीच की, जिसने तोड़ी थी दीवार। मानव हित में गुरु घासी ने, किया था समर्पित घर-परिवार।

2

प्रतिकूल था वक्त भयानक, नफरत छूटा था आसमान। तब बाबा ने दिया था नारा, मानव मानव एक समान।

3

राजा, मंत्री, सेनापति और,

सामंत बड़े मगरूर थे। उच्च वर्ण, कुल श्रेष्ठता के, अहंकार में वे सब चूर थे।

4

अंधविश्वास, पाखंडवाद का, पग-पग में बोलबाला था। झूठ की महिमा गाने वाले, पुरोहितों का घोटाला था।

5

मानवता थी गर्दिश में जब, और मुसीबत में था जीवन। उसी समय गुरु घासीदास ने, शुरू किया था सतनाम आंदोलन।

6

छत्तीसगढ़ की इस धरती के, भटके जन को राह दिखाया। शोषित, पीड़ित, बीमार दुखी को, आगे बढ़कर गले लगाया।

7

स्वर्ग-नर्क, भगवान ना कोई,

गुरु बाबा ने समझाया था। सत्य, अहिंसा, प्रेम और समता, नारी सम्मान सिखलाया था।

8

मन निर्मल, पवित्र आचरण, पुरुषार्थ ही श्रेष्ठ बताया था। सब मानव का समान हक है, सिद्धांत जगत में फैलाया था।

9

ना कोई शोषक, ना कोई शोषित, ना कोई भूखा, ना कोई निर्धन। गुरु बाबा का यही था सपना, कोई ना छीने किसी का जीवन।

10

मानव जीवन यह दुर्लभ है, इसको ना करना बरबाद। ढोंग, दिखावा, बनावट बाजी, मूर्खों ने किया है इसे ईजाद।

11

भेद-भाव, छल, द्वेष त्यागकर,

सादा जीवन जीना है। गुरु बाबा का संदेश यही है, नशा ना कोई पीना है।

12

लेकिन कुछ नासमझ हैं अपने, बाबा को चमत्कारी कहते हैं। सत्य ज्ञान से नावाकिफ हैं, अज्ञान तिमिर में रहते हैं।

13

गुरु मार्ग के उल्टे चलकर, लोगों को भ्रमते भी है। मनुवादियों की नकल करके, सतनाम का मान घटाते भी हैं।

14

तर्क करो, इतिहास पढ़ो तुम, तब बाबा को समझोगे। वर्ना ऐसे महापुरुष के, सिद्धांतों को ही खो दोगे।

15

गुरु बाबा इतिहास पुरुष थे,

इसे मिथक ना बनाओ तुम। आलोकित है जग इसी से, यह मशाल नहीं बुझाओ तुम।

16

गर्व करो कि गुरु बाबा के, तुम ही सच्चे अनुयाई हो। दुनिया के सब मानववादी, आपस में सब भाई-भाई हो।



हरीश पांडेय
विचार क्रांति

पद्मश्री जोधईया बाई के सम्मान में युवा टीम ने जोधईया बाई के चित्रपटल पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि



केलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

उमरिया। पद्मश्री एवं राष्ट्रीय नारी शक्ति सम्मान से विभूषित उमरिया जिले की गौरव जोधईया बाई का देहावासन गत दिवस हो गया है। रानी दुर्गावती चौक पर जोधईया बाई के चित्रपटल पर पुष्पांजलि अर्पित कर नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित दी गई। इस अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। टीम लीडर हिमांशु तिवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश के साथ देश ने भी एक ऐसी कलाकार को खो दिया, जिन्होंने पूरा जीवन जनजातीय संस्कृति, कला व परंपराओं पर आधारित चित्रकला को देश-विदेश में एक पहचान दिलाई। जनजातीय चित्रकला और समर्पण के माध्यम से आप सदैव याद की जाएंगी। श्रद्धांजलि अर्पित करते समय हिमांशु तिवारी, खुशी सेन, शिवांजलि सोनी अनुराधा यादव नेहा यादव मुस्कान महोबिया लक्ष्मी महोबिया शालिनी महोबिया खुशबू बर्मन अभिलाषा यादव सुनैना महोबिया चाँदनी पनिका साक्षी रैदास सोनिया पटेल खुशी पाठक सुलेखा राठौर फरहान खातून वर्षा बर्मन दिव्या रजक अंजली, दीपिका मरकाम सहित अन्य युवा उपस्थित रहे।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रातापानी टाइगर रिजर्व का किया लोकार्पण अभिनेता रणदीप हुड्डा विशेष रूप से थे उपस्थित

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 13 दिसम्बर को झिरी गेट से प्रदेश के 8 वें टाइगर रिजर्व रातापानी का लोकार्पण करते हुए कहा यह देश का पहला ऐसा टाइगर रिजर्व है, जो किसी राजधानी से जुड़ा हुआ है रहस्य, रोमांच, इतिहास और संस्कृति रातापानी टाइगर रिजर्व में यह सबकुछ समाहित है। और यह हमारे लिए गर्व की बात है। लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव और अभिनेता, लेखक, निदेशक रणदीप हुड्डा रातापानी टाइगर रिजर्व की जागरूकता के लिये विरासत से विकास की अनूठी दौड़ बाईक रैली को हरी झण्डी दिखाकर खाना किया। यह रैली गोल जोड़ चौराहे से एकांत पार्क तक निकाली गई। मुख्यमंत्री की पहल और मार्गदर्शन पर 2 दिसम्बर, 2024 को रातापानी को प्रदेश का 8 वाँ टाइगर रिजर्व घोषित कर दिया गया है। राज्य शासन द्वारा इसकी अधिसूचना जारी कर दी गयी थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं भी बाइक चला कर रैली की अगुवाई की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के रातापानी टाइगर रिजर्व का नाम विश्व विख्यात पुरातत्वविद डॉ. विष्णु वाकणकर के नाम से जाना जाएगा। रातापानी टाइगर रिजर्व में स्थित विश्व धरोहर भीमबेटका को डॉ. वाकणकर के अथक परिश्रम के परिणाम स्वरूप ही पहचान प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश टाइगर स्टेट है। रातापानी टाइगर रिजर्व को सर्वश्रेष्ठ टाइगर रिजर्व के रूप में विकसित किया जाए। देश के सभी राज्यों की तुलना में सर्वाधिक टाइगर मध्यप्रदेश में है। रातापानी के आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों की आजीविका इस क्षेत्र से जुड़ी हुई है। टाइगर रिजर्व बनने के कारण यह पर्यटन को और बढ़ावा देगा, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। टाइगर रिजर्व गठित होने से भारत सरकार के राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण से बजट प्राप्त होने से वन्य-प्राणियों का और बेहतर ढंग से प्रबंधन किया जा सकेगा। इसके साथ ही स्थानीय ग्रामीणों को पर्यटन बढ़ने से लाभ प्राप्त होगा। टाइगर रिजर्व बनने से रातापानी को अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिलेगी तथा भोपाल की पहचान 'टाइगर राजधानी' के रूप में होगी।

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद् तुलसी गौड़ा का निधन संपूर्ण समाज के लिए बड़ी क्षति

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

वृक्षों के प्रति अद्भुत प्रेम और समर्पण के लिए वृक्ष माता के रूप में जानी जाने वाली तुलसी गौड़ा, 86 की उम्र में इस संसार को अलविदा कह गईं और उनके लगाए लाखों पेड़-पौधों ने अपनी माता को खो दिया। तुलसी अम्मा ने हजारों पौधों को न सिर्फ रोपा, बल्कि एक माँ की ही तरह देखभाल की। उन्होंने एक साधक की तरह जीवन जीया और आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती को हरा-भरा बनाने में आजीवन जुटी रहीं। 2021 में तुलसी गौड़ा जब पद्मश्री जैसा प्रतिष्ठित पुरस्कार लेने राष्ट्रपति के समक्ष पहुंचीं, तो उनकी सादगी ने सबको आकर्षित किया था। वह पद्म सम्मान लेने नगे पांव, अपने पारंपरिक आदिवासी लिबास में आई थीं।



कर्नाटक के होनाली गांव की रहने वाली तुलसी अम्मा कभी स्कूल नहीं गईं। लेकिन अपने अनुभव से उन्होंने पेड़-पौधों और वनस्पति का इतना ज्ञान था कि उन्हें एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फोरेस्ट कहा जाने लगा। बचपन में पिता की मृत्यु, छोटी उम्र में शादी, और फिर पति को खो देने के बाद अपनी जिंदगी के दुखों और अकेलेपन को दूर करने के लिए, लगभग 60 साल पहले तुलसी अम्मा ने पेड़-पौधों का ख्याल रखना शुरू किया था। कर्नाटक के हलक्की जनजाति से ताल्लुक रखने वाली तुलसी गौड़ा ने अपना पूरा जीवन पेड़ों को समर्पित कर दिया। वह कहती थीं यह मायने रखता है कि आपने कितने पेड़ लगाए, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है उन छोटे नाजुक पौधों की देखभाल करना। मुख्य मंत्री डॉ मोहन यादव ने तुलसी अम्मा के चरणों में श्रद्धांजलि देते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा पद्मश्री से सम्मानित, सुप्रतिष्ठित पर्यावरणविद् श्रीमती तुलसी गौड़ा के निधन से भारत के पर्यावरण संरक्षण की मुहिम में विशाल शून्यता उत्पन्न हुई है। बचपन से लेकर आज तक अपने अथक प्रयासों एवं प्रकृति प्रेम की भावना के साथ आपने अनगिनत पौधे लगाकर पर्यावरण को संरक्षित करने में अहम् योगदान दिया। पृथ्वी माँ की रक्षा के लिए निःस्वार्थ भाव से जंगलों को हरा-भरा बनाने के लिए समर्पित उनका जीवन सभी देशवासियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करता रहेगा और उनके द्वारा लगाए वृक्षों की शीतल छांव पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन हेतु सदैव प्रेरणा देती रहेगी।

महाकुंभ में बृहस्पति ग्रह का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक महत्व, पृथ्वी की रक्षा में बृहस्पति ग्रह की महत्वपूर्ण भूमिका

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

बृहस्पति का विशाल आकार और अत्यधिक गुरुत्वाकर्षण बल पृथ्वी के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। यह ग्रह अंतरिक्ष से आने वाले क्षुद्रग्रहों और धूमकेतुओं को अपनी ओर आकर्षित करके पृथ्वी से टकराने से रोकता है। बृहस्पति के बिना, पृथ्वी पर क्षुद्रग्रहों के टकराव की संभावना कई गुना बढ़ जाती, जिससे पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं हो पाता। आधुनिक विज्ञान ने इस तथ्य को प्रमाणित किया है कि बृहस्पति पृथ्वी की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली के रूप में कार्य करता है। महाकुंभ मेला, दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन है, जो हर 12 वर्षों में प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में मनाया जाता है। यह 12 वर्ष का चक्र बृहस्पति (जुपिटर) के सूर्य के चारों ओर कक्षा पूर्ण करने के समय से जुड़ा हुआ है। प्राचीन भारतीय ऋषियों ने बृहस्पति के प्रभाव और उसके आध्यात्मिक महत्व को समझा और इसे धार्मिक अनुष्ठानों जैसे महाकुंभ का आधार बनाया। बृहस्पति को 'गुरु' कहा गया है, जिसका अर्थ है मार्गदर्शक और ज्ञान का स्रोत। बृहस्पति को सूर्य का चक्र लगाने में लगभग 12 पृथ्वी वर्ष लगते हैं। यह 12-वर्षीय चक्र हिंदू कैलेंडर और ज्योतिषीय परंपराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। महाकुंभ का आयोजन बृहस्पति, सूर्य और चंद्रमा की विशेष ज्योतिषीय स्थिति के आधार पर किया जाता है, जो इस समय को अत्यंत शुभ बनाता है। महाकुंभ मेला ब्रह्मांडीय शक्तियों और ग्रहों की ऊर्जा के साथ हमारे आध्यात्मिक संबंध को दर्शाता है। प्राचीन काल से ही महाकुंभ के माध्यम से बृहस्पति के प्रति आभार प्रकट किया जाता रहा है, जिसने पृथ्वी की सुरक्षा सुनिश्चित की है। आज विज्ञान ने इस परंपरा के पीछे के खगोलीय कारणों को प्रमाणित किया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि प्राचीन भारतीय ज्ञान कितना गहन और वैज्ञानिक था। महाकुंभ के दौरान लाखों श्रद्धालु पवित्र नदियों के संगम – गंगा, यमुना और सरस्वती में स्नान करते हैं। यह स्नान आध्यात्मिक शुद्धि और ब्रह्मांडीय ऊर्जा के साथ आत्मिक संबंध का प्रतीक है। इस आयोजन का उद्देश्य प्रकृति के तत्वों

और ग्रहों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना है, जो हमारे जीवन को संजोए हुए हैं। वैदिक परंपरा में बृहस्पति को 'देवगुरु' (देवताओं के शिक्षक) कहा गया है। बृहस्पति ज्ञान, मार्गदर्शन और सुरक्षा का प्रतीक है। इसका विशाल आकार और स्थिरता इसे सौरमंडल का 'रक्षक ग्रह' बनाती है, जो हमारे जीवन को वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दृष्टि से सुरक्षित रखता



है। सारांश यह है कि महाकुंभ मेला और बृहस्पति के 12-वर्षीय चक्र का संबंध प्राचीन भारतीय ज्ञान का एक अद्भुत उदाहरण है। बृहस्पति ग्रह न केवल पृथ्वी की रक्षा करता है, बल्कि इसे एक मार्गदर्शक और रक्षक के रूप में पूजा जाता है। यह परंपरा विज्ञान और आध्यात्मिकता के अद्भुत संगम को दर्शाती है, जो भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत और गहन खगोलीय समझ को प्रमाणित करता है।

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल रीवा में सफल दोहरे किडनी प्रत्यारोपण के लिए संपूर्ण चिकित्सा टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदूर क्षेत्रों तक सशक्त और सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह सफलता राज्य के हर हिस्से में सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं को विस्तार देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

रुपा में यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने का कार्य करेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार अंग प्रत्यारोपण जैसे जटिल चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक संसाधनों और विशेषज्ञता को हर मेडिकल संस्थान में सुलभ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने इस उपलब्धि को रीवा और पूरे प्रदेश के लिए गर्व का क्षण बताते हुए टीम की मेहनत और समर्पण की सराहना की। सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, रीवा में ट्रांसप्लांट फिजिशियन और नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. रोहन द्विवेदी और ट्रांसप्लांट सर्जन व यूरोलॉजिस्ट डॉ. पुष्पेंद्र शुक्ला के नेतृत्व में एक ही दिन में दो मरीजों का सफलतापूर्वक किडनी प्रत्यारोपण किया गया। इनमें से एक महिला मरीज को उनकी माता द्वारा और एक पुरुष मरीज को उनके बड़े भाई द्वारा किडनी दान की गई। दोनों मरीज स्वस्थ हैं और 17 दिसंबर को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिए गए हैं। यूरोलॉजी विभाग डॉ. विवेक शर्मा, डॉ. आशीष घनघोरिया, डॉ. बृजेश तिवारी और डॉ. विजय शुक्ला, निश्चेतना विभाग के डॉ. आलोक प्रताप सिंह, डॉ. सुभाष अग्रवाल, डॉ. राजीव द्विवेदी, डॉ. प्रकाश सिंह, और डॉ. एल. पी. सिंह सहित ओटी और केटीयू स्टाफ ने इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

क्षेत्रीय पत्रकार संगठन के तत्वाधान में हुआ नेत्र शिविर का आयोजन जिसमें 300 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण और 110 को भोपाल रेफर।



संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

उदयपुरा। उदयपुरा ब्लॉक, क्षेत्रीय पत्रकार संगठन के तत्वाधान में नगर उदयपुरा के बोरास रोड स्थित ग्रीन गार्डन होटल में निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के तौर पर मध्य प्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य एवं एवं परिवार

कल्याण राज्य मंत्री माननीय नरेंद्र शिवाजी पटेल पहुंचे। पत्रकार संघ ने उनको गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने सभी मरीजों का हाल चाल जाना। इस नेत्र शिविर में भोपाल के प्रभु प्रेम नेत्रालय से आए हुए स्पेशलिस्ट डॉक्टरों द्वारा मरीजों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया। लगभग 300 मरीज ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाया

जिसमें से 110 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए निशुल्क भोपाल भेजा गया। नेत्र शिविर का आयोजन करवाने में विशेष सहयोगी रहे, सोहिल कुरेशी ग्रीन गार्डन होटल, पीडी शर्मा नर्मदा सेवक, क्षेत्रीय पत्रकार संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष गोविंद रघुवंशी, कार्यकारिणी एवं नगर देवरी अध्यक्ष कमर राणा, ब्लॉक सचिव राजेश रजक, पत्रकार नीलेश

पटेल, पत्रकार वकील पठान, पत्रकार अशोक साहू, पत्रकार यशपाल लोधी, पत्रकार मनोज शर्मा, पत्रकार अरविंद धाकड़, पत्रकार सुमित मेहरा, पत्रकार हल्केवीर सूर्यवंशी, पत्रकार प्रशांत जोशी, पत्रकार डालचंद लोधी, वीरेंद्र सिंह राज, पत्रकार प्रदीप तिवारी, पत्रकार ललित लोधी, अशोक साहू, जगदीश लोधी, एवं सभी पत्रकार उपस्थित थे।

गांव जब समरस और स्वाबलंबी होंगे तभी भारत जग सिरमौर बनेगा: महेश्वरी

(सरस्वती शिशु मन्दिर खिरेंटी में ग्रामोत्सव सानंद सम्पन्न हुआ)



संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

देवरी-रायसेन - सरस्वती शिशु मन्दिर खिरेंटी तहसील उदयपुरा में भव्य ग्रामोत्सव कार्यक्रम सानंद सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्या भारती मध्य भारत प्रांत के प्रांतीय संगठन मंत्री आदरणीय श्री निखिलेश जी महेश्वरी ने कहा कि जब हमारे गांव समरस और स्वाबलंबी होंगे तभी भारत जग सिरमौर बनेगा। विद्या भारती सम्पूर्ण भारत में संस्कार युक्त शिक्षा देने का सकारात्मक प्रयास अर्हतिश कर रही है। हमारे विद्यालय में भैया बहिनों को सामाजिक समरसता, संस्कृति, स्वास्थ्य, परम्परागत व्यवसाय, जैविक खेती भूमि संरक्षण ऊर्जा संरक्षण जल संरक्षण पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों की शिक्षा दी जाती है। पंच परिवर्तन से समाज में परिवर्तन आएगा। इसमें सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध और नागरिक कर्तव्य पर विस्तार से जानकारी दी। जिला सचिव श्रीमान दौलत सिंह ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि ग्रामोत्सव कार्यक्रम विद्या भारती की अभिनव पहल है। इसके माध्यम से

हमारे पूर्व छात्रों और सस मण्डल में दायित्व बोध कुशलता ईमानदारी और सक्रियता का विकास होगा। हमारे विद्यालय में अन्य विद्यालयों की अपेक्षा अधिक मेहनत के साथ अच्छी पढ़ाई होती है। छात्रों को नैतिक शिक्षा और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाती है। श्रीमान लक्ष्मी नारायण जी शास्त्री ने सरस्वती शिशु मन्दिर विद्यालयों की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज में शिक्षा, संस्कार, संस्कृति और सामाजिकता की शिक्षा सरस्वती शिशु मन्दिर विद्यालयों में ही दी जाती है। कार्यक्रम में साहसिक प्रदर्शन, रंग मंचीय कार्यक्रम, प्रतिभा सम्मान, कुटुम्ब प्रबोधन आदि, कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर प्रांत प्रमुख श्रीमान चंद्र हंस जी पाठक, जिला अध्यक्ष श्रीमान राजेन्द्र सिंह जी राजपूत, जिला प्रमुख राजेन्द्र सिंह ठाकुर, जिला समिति उपाध्यक्ष श्रीमान ब्रजेन्द्र सिंह जी रघुवंशी, श्री प्रमोद जी रघुवंशी, नरसिंहपुर के जिला समन्वयक श्रीमान गोविंद जी किरार, जिले के प्रधानाचार्य आचार्य परिवार संयोजक मंडल सदस्य अन्य पदाधिकारी भैया बहिन और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन सुन्दर सिंह जी कुशवाह एवं राहुल जी साहू ने किया।

शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम के छात्रों ने समझी लोक अदालत की प्रक्रिया



पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। 14 दिसंबर 2024 को नेशनल लोक अदालत की प्रक्रिया को देखने हेतु शासकीय विधि महाविद्यालय के एलएल बी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के लगभग 60 विद्यार्थियों ने नेशनल लोक अदालत की प्रक्रिया को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं डिफेंस के सदस्यों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में समझा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमति शशि सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में जिला विधिक एवं डिफेंस कार्टिसिल के सदस्यों ने शासकीय विधि महाविद्यालय के समस्त छात्रों को समूह में विभक्त कर विभिन्न मामलों की कार्यवाही समझने में सहायता प्रदान की, जिसमें विद्युत संपत्ति, पारिवारिक आदि विभिन्न मामले सम्मिलित थे। लोक अदालत की प्रक्रिया समझना विधि के छात्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है जो उनको भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग एवं समन्वय से विधि महाविद्यालय के छात्रों ने इस प्रक्रिया को समझा इसके लिए विधि महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर कल्पना भारद्वाज महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ अभिषेक सिंह, श्री शिवाकांत मौर्य विभाग अध्यक्ष, श्री राजदीप सिंह भदौरिया सभी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सदस्यों को धन्यवाद प्रदान किया।

रायसेन जिले के बरेली में 13 वर्षीय बालक के अपहरण का केस मात्र 10 घंटे में सुलझाया गया।

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

बरेली। बरेली पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 13 वर्षीय नाबालिग के अपहरणकर्ताओं को मात्र 10 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। यह घटना बरेली के गांव महेश्वर की है, जहां देर रात नाबालिग को बंधक बनाकर 10 लाख रुपये फिरौती की मांग की गई थी।

घटना का विवरण

नाबालिग के पिता ने सुबह 9 बजे पुलिस को सूचना दी कि उनके बेटे को अगवा कर फिरौती की मांग की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस ने सक्रियता दिखाई और थाना बरेली की तीन विशेष टीमें बनाई गईं।

कार्रवाई और सफलता: पुलिस ने तकनीकी मदद, कॉल डिटेल्स और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपहरणकर्ताओं का पता लगाया। कड़ी जांच के बाद पुलिस टीम ने नाबालिग को



सकुशल बरामद कर अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपी

घटना में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने अपहरण में इस्तेमाल की गई गाड़ी को भी बरामद कर लिया है।

एसएसपी की प्रशंसा

एसएसपी ने बताया कि यह सफलता पुलिस के त्वरित और प्रभावी कार्य का परिणाम है। अपहरणकर्ताओं पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राज्य मंत्री पुलिस के उत्कृष्ट कार्य के लिए इनाम के तौर पर 50,000 की प्रोत्साहन राशि देंगे। पुलिस की इस तेज कार्रवाई की सराहना की जा रही है। लोक स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने पुलिस को धन्यवाद दिया और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उनके योगदान की प्रशंसा की। इसके लिए उन्होंने पुलिस को 50,000 रुपए देने की घोषणा की।

परिसर को साफ रखने का लिया संकल्प

ज्ञान चन्द शर्मा बालाघाट जिले मे स्वच्छता ही सेवा की गतिविधियों का क्रियान्वयन निरंतर जारी है राणा हनुमान सिंह कृषि विज्ञान केन्द्र बड़ागाँव दारा ग्राम कंटंगी मे केन्द्र के डॉ रमेश अमूले के मार्गदर्शन मे छात्र छात्राओं तथा ग्रामीण कृषको को स्वच्छता की शपथ दिलाई एव लोगो के साथ साफ सफाई की गई इस अवसर पर स्वच्छता प्रभारी धर्मेन्द्र अगासे ने कहा हमे सजग रहना चाहिए की हमारे घर या आफिस के आसपास कहीं भी गंदगी न हो तथा शुरुआत स्वयं से ही करना चाहिए स्वच्छता शारीरिक मानसिक और सामाजिक रुप से अच्छा होने का एहसास दिलाती है और दूसरो पर अच्छा होने का एहसास दिलाती है और दूसरो पर अच्छा प्रभाव डालने मे मदद करती है स्वच्छता एक व्यक्तिगत को उसके स्वच्छ कपड़े और अच्छे व्यक्तित्व के माध्यम से साफ चरित्र दिखाती है अच्छे चरित्र वाले लोग अपने जीवन मे नैतिक और धार्मिक बन जाते है स्वच्छता शरीर मन और आत्मा को स्वच्छ तथा शांतिपूर्ण रखकर अच्छे चरित्र को जन्म देती है कार्यक्रम मे उपस्थित रावे छात्र छात्रओ कृषि छात्रो से भी कहा कि जब भी आप गांवो मे ग्रामीण कृषको से मिलते है तब उन्हे भी साफ सफाई बनाये रखने एवं गंदगी से बचने की सलाह दे कार्यक्रम के दौरान ग्राम के कृषक रामेश्वर चौरीवार घनश्याम पिपलेवार रामकिशोर जामरे परसराम कावरे एवं रावे छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

सबल योजना की राशि का वितरण

ज्ञान चन्द शर्मा बालाघाट/मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा बुधवार को सिंगल क्लक कर डीबीटी के माध्यम से जिले के संबल योजना हितग्राहियों के खातों मे अनुग्रह सहायता राशि वितरण की गई बुधवार दोपहर 12,30 बजे मुख्य मंत्री कार्यकर्ता भोपाल मे एंटी चैम्बर मे कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका लाइव प्रसारण कार्यक्रम कलेक्टेट बालाघाट के एनआईसी कक्ष मे आयोजित किया गया मुख्य मंत्री डॉ मोहन यादव ने बालाघाट जिले से अनुग्रह सहायता के सामान्य मृत्यु के 319 प्रकरणो मे 6 करोड 38 लाख रुपए एव दुर्घटना मृत्यु के 22 प्रकरणो मे 88 लाख रुपए का वितरण सिंगल क्लक के माध्यम से किया इस प्रकार से कुल 341 प्रकरणो मे 7 करोड 26 लाख रुपए का वितरण किया गया एनआईसी कक्ष मे लाइव प्रसारण के दौरान कलेक्टर मृणाल मीना नपा अध्यक्ष भारती सूरजीत सिंह ठाकुर एव योजना शाखा सभापति श्रम पदाधिकारी दामिनी सिंह एव हितग्राहियों की उपस्थिति रही।

बैंक ऑफ़ इंडिया ने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से किया विशेष अनुबंध

नियमित तथा सविदा कर्मचारियों के लिए दो करोड़ तक का दुर्घटना (मृत्यु) बीमा

भोपाल। बैंक ऑफ़ इंडिया ने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से विशेष अनुबंध किया है। इसमें कंपनी के नियमित एवं सविदा कर्मचारियों के लिए 2 करोड़ रुपये तक का दुर्घटना बीमा सहित कई विशेष आकर्षक बैंकिंग सुविधा मुहैया कराई जाएंगी। इसमें बिजली कंपनी के नियमित एवं सविदा कर्मचारियों के लिए वेतन बचत खाता खोलने पर अनेक सुविधाएं दी जायेगी। इसमें आकर्षक बैंकिंग सुविधाएं जैसे जीरो बैलेंस रहने पर भी कोई पेनल्टी नहीं लागेगी, डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड निशुल्क जारी किया जाएगा, बैंक द्वारा चेक बुक, पे आर्डर, डीडी निशुल्क रहेगा। वहीं एनईएफटी अथवा आरटीजीएस सुविधा भी निःशुल्क रहेगी। बैंक ऑफ इंडिया द्वारा पर्सनल लोन, कार लोन एवं होम लोन में विशेष छूट दी जाएगी। लोन पर ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत तक एवं प्रोसेसिंग शुल्क में 100ब तक की छूट देने की बात कही गयी है। इसके साथ ही खाता धारक को रुपे सेलेक्ट क्रेडिट कार्ड निशुल्क जारी किया जाएगा, जिसमें कुछ मार्केट बेसिस सुविधाएं दी जाएंगी। साथ ही एक करोड़ तक का पूर्ण दिव्यांग बीमा, 50 लाख तक का दुर्घटना आंशिक दिव्यांगता बीमा रहेगा। कर्मचारी की किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 7 लाख रुपये का सामान्य मृत्यु बीमा/ टर्म इन्श्योरेंस भी निःशुल्क देय होगा। इसके अलावा अन्य सुविधाएं भी बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जाएंगी। अधिक जानकारी के लिए कंपनी के कर्मचारी बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा में संपर्क कर सकते हैं।



गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर बुद्धभूमि महाविहार मोनेस्ट्री भोपाल में

9वां अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध मेला 2025

9th INTERNATIONAL BUDDHIST FESTIVAL



मुख्य आतिथ -
परम पूज्य डॉ. प्रा महा अचान
विचियान वविराङ्गसो
महास्थविर, थाईलैंड



मुख्य अतिथि
डॉ पीनवाई पिनवापोग
अध्यक्ष - विश्व बौद्ध परिषद (WEB) Thailand



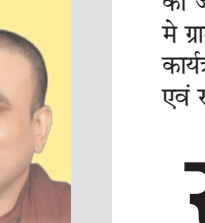
मुख्य अतिथि
डॉ मन्तर सुदर्न
पुणे



मुख्य अतिथि
मिथिला चौधरी
दक्षिण कोरिया



सह-संयोजक
सह-संयोजक



मुख्य संयोजक
पूज्य भंते शाक्यपुत्र सागर धेरो
अध्यक्ष-बी बुद्धभूमि धम्मदूत संघ

बुद्धवर्ष 2569, रविवार दिनांक 26 जनवरी 2025, दोपहर 3.00 बजे से प्रारंभ
स्थान-बुद्धभूमि महाविहार मोनेस्ट्री, गोल्डन बुद्धा प्रतिमा , चूनाभट्टी, भोपाल (म.प्र.)

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध मेला आयोजक समिति : सलाहकार – सुशीला गजभिये, संघमित्रा डॉंगरदीवे, प्रेमलता सिलोरिया, अनुराधा बोन्घाटे, बेबी दुफारे, अनीता कातुलकर, ममता वासनिक , अध्यक्ष –वंदना मुलताईकर, उपाध्यक्ष –सुनीता शेजवार, संघमित्रा ताईवाड़े, शोभा घहान्दे, शोभा लोखाडे, सधिव – स्वाति आशा, वैशाली मनहर, रीना वाकोडे, सहसधिव –पद्मा सिरसाट, सत्यशीला दुधमल, प्रभा शेडे, कोषाध्यक्ष-रेखा मेश्राम, सह कोषाध्यक्ष-साधना भारती, कार्यकारणी सदस्य-रेखा तागडे, सुशीला तागडे, नीता वासनिक, नादिरा पाटिल, द्रोपदी टेवर्न, जया मोटारे, कल्पना उबनारे, सुनीता गजभिए, श्रुतिभा पाटिल, सुनीता पाटिल, निर्मला सोनोने उज्ज्वला वाकोडे, अनीता गोंखने, माया गजभिये, नंदा इंगोले, आशा मंखे, आशा मनहर, सारिका डॉंगरे, शामा बारमाटे, सीमा रामोशी, संध्या तागडे, सुनंदा बाहने, संघमित्रा भालेराव, कोमलता कटने, सुजाता वासनिक, पूनम जौमलकर, रोशनी पाटिल वरिष्ठ उपारिका संघ – संघमित्रा गड्डाले, धम्मदीना बोखाडे, छया खरात, डॉ. सुनीता अतुलकर, प्रो. वर्णा रोखडे, सुद्धा भांगे, ममता कड्डे, नंदिनी सिलारकर, संघमित्रा गजभिये, रेखा मसारकर, विमल बागडे, अनुसूया कटनन, कुंदन गजभिये, दीपा चौधरी, उषा सागडेवार, रेखा सोनवने, स्वाति दुधमन, इंदुलला पुखरे, प्रमिला नानवर, माया गजभिये, संगीता गोतिया, निर्मला खकर, वंदना पोहकर, निर्मला वाघा, पंचशीला बागडे, कुंदा नन्देश्वर, मीना शेन्डे, नर्मदा काले, गंगुबाई वंजारी, शोला सोमकुंवार, रमाबाई गुलसुन्दार, अनीता बागडे, वंदना पाटील, आशा गोरखोडे, किरणबाई सोमकुंवार, कस्तुरी प्रधान, गयाबाई बावरकर, इन्दुबाई साल्वे, जीजाबाई मंगरे, उषा गड्डे, मंगला मंगरे, अर्चना खारात, उज्ज्वला सहादेव, प्रमिला शेडे, संगीत कडने, प्रतिभा गजभिए, नर्मदा गुलसुंदरे, नंदिनी मेश्राम, अर्चना सोमकुंवर, ललिता भीमटे, कल्पना देशधरताड, मिरजा वावरे, निर्मला बोरकर, अस्मिता गायकवाड, वंदना भिवसाने, प्रो अनीता तिलवारिया, संदा बाहने, लिहिता फुले, पार्वती सोनारे, उषा नयाडे, कलवती शंगदाने सलाहकार – पी. जे.पुसे, बी. डी. अहिरवार, कैलाश मानेकर, राजू गेडम, एस. एस. निम्बळकर, चरणदास बोन्घाटे, विजय खातरकर, हरिप्रसाद बौद्ध, प्रकाश डॉंगरदीवे, राजेश बंधेवार, ललेन्द्र हुमने, डॉ. विक्रम चौधरी, अध्यक्ष –चंद्रप्रकाश गोलाइत, उपाध्यक्ष –रामप्रसाद सिलोरिया, चन्द्रभान वासनिक, एल.एल. अहिरवार, खुशाल सोमकुंवर, सधिव –हिरामनी चौधरी, उमेश भीमटे, रमेश मोर, ज्ञानेश्वर पाटिल, प्रदीप रामटेके, सहसधिव – शामलाल रामटेके, गुड्डू मनहर, नंदकिशोर गेडम, अरुण गड्डे, कोषाध्यक्ष –संदीप वाकोडे, सहकोषाध्यक्ष –धनंजय जाम्बूलकर, कार्यकारणी सदस्य – संजय गजभिए, भारत संध्यान, रामेश्वर गजभिए, वामनराव दुफारे, दिवाकर गजभिए, दिलीप आठोले, डॉ. प्रवीन रंगारे, दुर्गादास गोंखने, यशवंत पाटिल, शैलेश जौमलकर, शरद भालेराव, नानेश्वर गवई, देवेंद्र गोलाइत, राजेश राउत, राहुल ठेभुनरे, जीत पुखरे, सदस्य –अनिल बरमाटे, सुखदेव वाकोडे, राहुल पाटिल, हर्षल गोंखने, अरुण सिलोरिया, संदीप सुलताने, नीरज शेजवाल,अभय मसारकर,विनोद बागुल,दीपक गवई वरिष्ठ सदस्य – श्रद्धेय आर आर गंगवारकर, सेवानिवृत्त –आईएएस, छोटसय संकुले, प्रभाकर डेके, राजेन्द्र प्रसाद,अमरजीत सिंह चौधरी, गौतम कटने, डॉ. साहेबराव सदावर्त, हर्षद भारतीय, टी एस अहिरवार, जी पी निवारे, सुरेश डॉंगरे, कैलाश बले, गुणसागर गजभिये, नरेश बागडे, दिलीप आटोले, रामगोपाल अहिरवार, प्रमोदयाल हवेलिया, कुंदा नदेश्वर, सुधाकर वादने, बाबुराव थोरात, सरोज गजभिये, हरमेश रंगारी, सिद्धार्थ मोरे, बाबा सुंजवार, धर्मपाल गजघाटे, जानसन जौमलकर, सतीश कवाडे, के डी वासनिक,अनंत शेंडे,परमनंद वर्मा, पोपट संसारे, रवींद्र बांगरे, शैलेश बांगरे, किरन गजभिये, मोहन सिंह अहीरवार, राजू भारतीय, धनीराम अहीरवार,जी पी निवारे, महेश जावू, दिनेश जिंदोतिया, विजय सुरकर, वरिष्ठउपासक संघ – इंजी.एच.एन.गोलाईत, डॉ. राजेश लोनारे, डॉ.मनोज राजे, संतोष सिरसाट, डॉ.सूर्यप्रकाश सिंह, जगन्नाथ जावत, संतोष बोखाने, जितेन्द्र नागले, डॉ. सतीश सोमकुंवर, इंजी संजीव गौतम, इंजी डी पी गोतिया, जी पी साकेत, कमलेश बोकर, रमधिर भोजने, विक्रम ब्रामने, पी पी सती, गोकुल मसतकर, गौतम पाटील, एच. आर. अहिरवार, पुरुषोत्तम आठिया, राजकुमार अहीरवार, माधो सिंह अहीरवार, सिध्दार्थ बाटोरे, राजकुमार गोंखने, एडसंजय मानवठकर, सतिश कवाडे, सुधाकर नानवर, पद्मनाकर देशपाण्डे, सुन्दरलाल खाड्डो, अमित बनसोडे, प्रविन मड्डे, भगवान पाटील, निर्मलदास मानकर, तुलसीदास मेश्राम, बी. बी. गजभिये, संजय साल्वे, वामनराव घुषले, शंकर पाटील,प्रभाकर पाटील, भाऊराव सहारे, विजय सोनोने, महेंद्र नागले, विनोद वासनिक, पद्मेश मेहरा, अविनाश कड्डे, अशोक साकेत, राजेश पटेल, अजय साल्वे, आशीष चौर, बाबुराव जुमडे, राहुल बोडे, बालकृष्ण खिलतार, बबलू कड्डे, धनंजय बावरकार, जे पी गनोले, लालचंद मंजई, रामचरकप निमारे, डॉ. राज कुमार जावत, प्रतापचंद्र जावत, कमल सिंह परमाल



आप कृपया धम्मपन अकाउंट में भेज सकते हैं -
AC Name & AC No.- 8 92001006724614 IFSC - UTIB0001933
Bank - AXIS BANK Branch- Kolar road
Google Pay / Phone Pe / PAYTM - +919826929578 वा संस्था
The Buddhabhoomi Dhammadoot Sangha Samiti
QR code (सुझाव बोर्ड) पर धम्मदान का संस्थान
देकर कृष्णताओं के साथ इस पुण्यभर पर को सकल बनाने।

– आयोजक –
दी बुद्धभूमि धम्मदूत संघ
Email – buddhabhoomi2017@gmail.com

मो. 9926220408, 9009007043
7389046631, 9993740832
9977548655, 7869824159
9926359365, 8878599325
8103713651

सहआयोजक – बुद्धभूमि महाविहार उपासक संघ ★ मैत्रीय बुद्ध महाविहार उपासिका संघ

विशेष सूचना – 1. जनवरी माह में कार्यक्रम की रूपरेखा एवं निर्मंत्रण कार्ड प्रकाशित किया जायेगा। **2.** कार्यक्रम में धार्मिक एवं सामाजिक उत्कृष्टकार्यों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय धम्मदूत अवार्ड एवं अन्तर्राष्ट्रीय बुद्ध पीस अवार्ड प्रदान किया जा रहा है। दिनांक 15 जनवरी 2025 तक अवार्ड प्राप्त करने के लिए 9826929578 वॉत्सएप पर अपना धम्म कार्य का विवरण भेजी। 3. इस पुण्यमय धम्म कार्यक्रम में ऑनलाईन धम्मदान के लिए 9826929578 पेटैएम, फोनपे, गुगलपे तथा रेजपेर पर तन-मन-धन से धम्मदान का सहयोग प्रदान करें और रिक्शन शॉट जरूर भेजी। 4. संस्था को आयकर धारा 12A (i), (b) एवं 80 G (vi), 1961 के अंतर्गत मान्यता प्राप्त है। 5. प्रतिवर्ष जनवरी के अंतिम रविवार को विश्ववर्तरीय बौद्ध मेला का विराट आयोजन भोपाल में किया जाता है। कार्यक्रम में प्रबोधनात्मक सांस्कृतिक भव्य प्रस्तुति ‘दुय्यम कव्याली’ का आयोजन किया गया है।

सौजन्य से:- प्रो.(डॉ.)पीपुदेव महंत, डीन, स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्री सत्य साईं यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजीज एंड मेडिकल साइंसेज, सीहोर

प्रति वर्ष की भाँति, इस वर्ष भी बुद्धभूमि महाविहार में 9वाँ अंतरराष्ट्रीय बौद्ध मेला का भव्य आयोजन किया गया है। यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि मानवता को धम्म,करुणा और समता के मार्ग पर प्रेरित करने का एक विराट प्रयास है। हम सभी के सामूहिक प्रयासों से ही यह पुनीत कार्य संभव हो पाता है। इसलिए, आप सभी साथियों से सादर निवेदन है कि इस आयोजन को सफल और सार्थक बनाने हेतु अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार धम्मदान में सहयोग प्रदान करें। आपका सहयोग हमारे संस्था के Payment Line अथवा त्तर

ष्टशस्त्र के माध्यम से सरलता से किया जा सकता है आपके द्वारा प्रदान किया गया हर सहयोग धम्म के मार्ग पर एक नया प्रकाश फैलाने में सहायक होगा और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की हमारी यात्रा को मजबूत करेगा आइए, मिलकर करुणा और सद्भावना का संदेश दूर-दूर तक पहुँचाएँ। धन्यवाद एवं मंगलकामनाएँ। बुद्ध शरणं गच्छामि । धम्म शरणं गच्छामि । संघ शरणं गच्छामि

केन-बेतवा परियोजना से बुन्देलखण्ड होगा हरा-भरा, समृद्धशाली : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- मुख्यमंत्री ने 160 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन
- बिजावर के सटई में खुलेगा कॉलेज
- मुख्यमंत्री ने केन-बेतवा लिंक परियोजना के भूमि-पूजन कार्यक्रम में सभी को किया आमंत्रित
- मुख्यमंत्री किसान सम्मेलन सह लोक कल्याण शिविर में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बुन्देलखण्ड क्षेत्र की तकदीर और तस्वीर दोनों ही बदलने वाली है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के सपने को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आगामी 25 दिसम्बर को मूर्तरूप देने के लिये आशापरशिला रखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात गुरुवार को छतरपुर जिले के सटई में आयोजित किसान सम्मेलन सह लोक कल्याण शिविर में कही। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर तक जनकल्याण

पर्व मनाया जा रहा है, जिसमें प्रदेश के समग्र विकास के लिये विभिन्न सौगातें प्रदान की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किये, स्व-सहायता समूह द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में 160 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. वाजपेयी की 100वीं जयंती पर प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा केन-बेतवा लिंक परियोजना के भूमि-पूजन कार्यक्रम में शामिल होने के लिये सभी को निमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाराज छत्रसाल और आल्हा-ऊदल के पराक्रम और बलिदान को स्थानीय कवि की पंक्तियों, ‘छत्ता तैरे राज में धक-धक धरती होय, जित-जित घोड़ा मुख करे, तित-तित फते होय’ का उद्धोष करते हुए याद किया। उन्होंने कहा कि 25 दिसम्बर के बाद वीरों की यह भूमि विकास के लिये भी जानी जायेगी। इस दिन प्रधानमंत्री श्री मोदी बुन्देलखण्ड क्षेत्र के कायाकल्प की आधारशिला रखेंगे। इसके बाद बुन्देलखण्ड क्षेत्र में ‘सूखा’ अतीत की बात हो जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की दूरदर्शी सोच ने ही पहली बार देश भर की नदियों को जोड़कर बिखरी पड़ी जल-शक्ति के समुचित प्रबंधन का सपना देखा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. वाजपेई के सपने को साकार करने के लिये प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आधुनिक भगीरथ



बनकर देश भर में रिवर लिंक परियोजनाओं की शुरुआत की है। डॉ. यादव ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इनमें से 2 परियोजनाओं की सौगात मध्यप्रदेश को मिली है। पहली पीकेसी परियोजना का एमओए और शिलान्यास प्रधानमंत्री श्री मोदी की उपस्थिति में 17 दिसम्बर को जयपुर में हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 25 दिसम्बर को केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के शिलान्यास पर खुशी जताते हुए कहा कि एक लाख करोड़ रुपए लागत की इस परियोजना में 90 हजार करोड़ रुपए का व्यय केन्द्र सरकार वहन करेगी। डॉ. यादव ने बताया कि केन-

बेतवा लिंक परियोजना से मध्यप्रदेश के 8.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में जबकि पड़ोसी उत्तर प्रदेश के 2.5 लाख हेक्टेयर में सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास दिलाया कि अब बुंदेलखंड जल-शक्ति से संपन्न हो जाएगा, इससे किसान समृद्ध होंगे क्षेत्र में खुशहाली आयेगी। स्थानीय युवा को नौकरी के लिए पलायन भी नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि प्रदेश में हमारी सरकार ने पहली बार रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर उद्योगों को छोटे शहरों तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। खजुराहो के सांसद श्री शर्मा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेई के सपने को पूरा करने प्रधानमंत्री श्री मोदी उनकी 100 वीं जयंती पर केन-बेतवा लिंक परियोजना के रूप में श्रद्धांजलि देने आ रहे हैं। इस परियोजना से बुंदेलखंड में पानी की समस्या दूर होगी और बुन्देलखण्ड की गरीबी और सूखे की समस्या का केन-बेतवा परियोजना एक अच्छा समाधान होगा। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री अहिरवार एवं विधायक राजेश शुक्ला ने अपने उद्बोधन में दी गई सौगातों एवं केन-बेतवा लिंक परियोजना को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव और प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार जताया। सम्मेलन में विधायक छतरपुर श्रीमती ललिता यादव, विधायक राजनगर श्री अरविंद पट्टेरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष, सुश्री विद्या अग्निहोत्री, उ.प्र. के पूर्व मंत्री श्री महेंद्र सिंह, पूर्व विधायक श्री उमेश शुक्ला, पूर्व विधायक श्री पुष्पेंद्र नाथ पाठक, श्री चंद्रभान सिंह गौतम, श्री पुष्पेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अंधेरी नगरी चौपट राज भ्रष्टतंत्र ले रहा लोगों की जान



भावना मंगलमुखी, मुंबई

साथियों आज के मुद्दे को समझने हेतु मैं पिछले ही सप्ताह की दो हृदयविदारक घटनाओं पर सबका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी ...

पत्नी के झूठे दहेज आरोपों और कोर्ट की प्रताड़ना से परेशान एआई इंजीनियर ने की खुदकुशी !

राहुल गांधी को गुल्लक भेंट करने वाले बच्चों को ईडी ने किया अनाथ !

पहली घटना बंगलुरु की सॉफ्टवेयर कंपनी में कार्यरत बिहार के समस्तीपुर निवासी अतुल सुभाष मोदी की है। उसने 09 दिसंबर 2024 की रात अपनी खुदकुशी से पूर्व कमरे की दीवार पर दो पेपर भी चिपकाए थे। एक पर उसकी खुदकुशी की तैयारी हेतु योजनानुसार आवश्यक कार्यों की रूपरेखा थी तो दूसरे पर बड़े - बड़े अक्षरों में लिखा था -- "JUSTICE IS DUE." उसने खुदकुशी से पहले निर्धारित सभी कार्यों जैसे उससे जुड़े सभी व्यक्तियों या पार्टियों का बकाया भुगतान करना, केस से संबंधित सभी दस्तावेज इकट्ठा करके कानून व न्याय के जिम्मेदार लोगों को मेल करना आदि को निपटया। फिर उसने अपनी आपबीती का करीब 84 मिनट का वीडियो बनाया और 24 पन्नों के सुसाइड लेटर में अपनी दर्दभरी दास्तां भी लिखी। उस वीडियो और सुसाइड लेटर में उसने जौनपुर जिला अदालत की महिला जज रीता कौशिक और उसके पेशकार सहित उसके ससुराल के चार लोगों उसकी पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा सिंघानिया, साले अनुराग सिंघानिया और पत्नी के चाचा सुशील सिंघानिया पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। बता दे कि अतुल सुभाष की शादी 2019 में उत्तर प्रदेश के जौनपुर की निवासी निकिता सिंघानिया से हुई थी। शादी से कुछ ही महीने पहले ये दोनों एक मैट्रिमोनियल साइट पर मिले थे। निकिता ने भी कंयूटर साइंस की ही पढ़ाई कर रखी थी इसलिए दोनों एक - दूसरे को पसंद करने लगे थे। चूंकि निकिता के पिताजी मनोज कुमार सिंघानिया को गंभीर स्वास्थ्य समस्या थी इसलिए ज्यादा इंतजार न करते हुए दोनों ही परिवारों की आपसी सहमति से 26 अप्रैल 2019 को बनारस के हिन्दुस्तान इंटरनेशनल होटल में निकिता और अतुल की धूमधाम से शादी हुई थी। शादी के तुरंत बाद अतुल निकिता को बंगलुरु ले आया था और निकिता भी वहां एक कॉल सेंटर की नोकरी करने लगी थी। कुछ दिनों बाद अगस्त 2019 में निकिता के पिताजी मनोज सिंघानिया जी की मृत्यु हो गई। उसके बाद निकिता ने अपनी मां निशा सिंघानिया को भी बंगलुरु बुला लिया था। सालभर पश्चात जब निकिता गर्भवती

थी और कोरोनाकाल में उसकी नौकरी भी छूट गई तो निकिता अपनी मां के साथ जौनपुर आ गई थी और अब उसे एक बच्चा भी हो गया। इसी बीच निकिता और उसकी मां दोनों मिलकर अतुल के साले अनुराग सिंघानिया की मदद के लिए पैसे मांगने लगीं। अतुल ने तीन किस्तों में लगभग 20 लाख रुपए भी दिए। फिर भी मां - बेटी ने मिलकर जौनपुर जिला अदालत में अतुल व उसके परिवार के खिलाफ दहेज की मांग, घरेलू हिंसा व अप्राकृतिक सेक्स और दस लाख रुपए की दहेज की मांग के सदमे से पिता की मौत के लिए जिम्मेदार मानने के झूठे आरोपों में कई धाराओं में दर्जनभर मुकदमें दर्ज करा दिए। इन मुकदमों की पेशी के लिए अतुल ने सिर्फ दो साल में बंगलुरु से 2000 किलोमीटर दूर जौनपुर के 120 चक्कर काटे। चूंकि अतुल कोर्ट के ही आदेश से तलाक़ पर्यंत अपने बच्चे की परवरिश के लिए अपनी पत्नी को प्रतिमाह 40,000 रुपए गुजारा भत्ता भी दे रहा था और उसी का उपयोग ह उसके व उसके परिवार के खिलाफ मुकदमें पर खर्च करती थी। आखिर तारीख पे तारीख से तंग आकर जब अतुल ने कोर्ट में महिला जज के सामने कहा कि -- "एनसीआरबी यानि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक ऐसे झूठे मुकदमों में फंसने और समय पर न्याय नहीं मिलने पर कई पति बेचारे निराश होकर दम तोड़ देते हैं।", तब उस जज के सामने ही निकिता बोलती है ---"तुम क्यों नहीं मर जाते ? मैं तो हररोज अखबार में तुम्हारे मरने की खबर का इंतजार करती हूं।" और महिला जज रीता कौशिक भी हंसकर कहती है ---" एकमुश्त तीन करोड़ देकर मामला फाइनल कर दो वर्ना जिंदगीभर कोर्ट के चक्कर काटते रहोगे।" और कोर्ट से बाहर निकलते ही जज साहिबा द्वारा उनके पेशकार से कहलवाया गया कि तीन लाख रुपए जज साहिबा को दे दो तो वे सब सेटल करवा देगी। इसप्रकार अतुल अपनी पत्नी, सास, उसके साले और कोर्ट की जज की सांटागांठ से इतना तंग आ चुका था कि न सिर्फ उसने अपनी जिंदगी को समाप्त किया बल्कि उसने अपने सुसाइड लेटर में कुल बारह अंतिम इच्छाएं जताते हुए लिखा कि -- "मेरे मरने के पश्चात मेरी पत्नी व ससुराल वालों को मेरी लाश को छूना तो दूर उसके करीब भी न आने दिए जाए और जब तक मुझे इंसाफ न मिले मेरा अंतिम संस्कार न किया जाए। साथ ही अगर इंसाफ न ही मिले तो मेरी अस्थियों को उसी कोर्ट के सामने गटर में बहाया जाए।" उसने अपने पत्र में जज रीता कौशिक सहित उसकी पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा सिंघानिया, साले अनुराग सिंघानिया और उसकी पत्नी के चाचा सुशील सिंघानिया को उसकी मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए लिखा कि आगे की कार्यवाही के लिए अदालत उसके अंतिम वीडियो और सुसाइड नोट को साक्ष्य के रूप में माने। साथ ही उसके मामले की सुनवाई सार्वजनिक रूप से लाइव की जाए। उसके बच्चे को भी उसके माता - पिता को सौंपा जाए और बेवजह उसके माता - पिता को परेशान न किया जाए इत्यादि। खैर अतुल ने तो अपनी कुर्बानी दे दी लेकिन उसने नारीवाद से प्रेरित लैंगिक पक्षपात के कानूनों पर पुनर्विचार के विमर्श और आने वाले समय में युवाओं के लिए एक राहत का द्वार खटखटाया है। उम्मीद करते हैं कि हमारे कानून निर्माताओं का भी विवेक जागेगा और न्यायधीशों को भी समदृष्टि मिलेगी। लेकिन अफसोस है कि रिपोर्ट लिखे जाने तक

पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा सिंघानिया और साले अनुराग सिंघानिया की तो गिरफ्तारी हो चुकी है परंतु उसके सुसाइड नोट में लिखे प्रथम दोषी जज रीता कौशिक व उसके पेशकार का नाम एफआईआर में भी नहीं है यानि सिस्टम में बैठे लोगों को बचाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। मेरे आसपास और मेरे समाज से मिले आंखों देखे अनुभव के आधार पर आजकल उल्टे दहेज की प्रथा चल पड़ी है यानि अब लड़के वालों की तरफ से लड़की या उसके परिवार वालों से दहेज मांगने की कुप्रथा पर तो अंकुश लगा है लेकिन लड़की पक्ष वालों द्वारा लड़के वालों से रिश्ते के बदले शादी के खर्च से लेकर लाखों रुपए व सोने - चांदी के जेवर भी मंगवाने की कुरीति तेजी से फैल रही हैं। ऊपर से शादीशुदा औरतों द्वारा अपने चार - चार बच्चों को छोड़कर किसी अन्य व्यक्ति के साथ दूसरी शादी करने का गोरख धंधा भी काफी फलफूल रहा है। कुल मिलाकर अब शादी नहीं हो रही, बस लड़की पक्ष द्वारा उनकी ही बेटीयों के सौदे किए जा रहे है। एक सर्वे के अनुसार आजकल दहेज के 80 प्रतिशत मामले फर्जी बनाए जा रहे हैं फिर भी मैं बिलकुल नहीं चाहती कि दहेज निवारण कानून को पूर्णतया समाप्त किया जाए क्योंकि ऐसा होने से 20 प्रतिशत वास्तव में पीड़ित लोगों को भी न्याय नहीं मिल पाएगा। इसलिए मैं सिर्फ इस कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए चार सुझाव देना चाहूंगी -- पहला यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी मामले की जांच व सुनवाई ज्यादा पारदर्शी और सम्यक दृष्टिकोण से हो। दूसरा आरोपी को अपने आपको निर्दोष साबित करने के बजाय आरोप को साबित करने की जिम्मेदारी आरोप लगाने वाले की हो। तीसरा जब तक दोष साबित न हो आरोपी को गिरफ्तार न किया जाए। चौथा अगर कोई मामला झूठा साबित हो जाता है तो झूठा मामला दर्ज करवाने वालों के लिए भी ठीक वैसी ही सजा का प्रावधान किया जाए। साथ ही मैं समाज से भी लोगों को एकाकीपन व निराशा से बचाने और रिश्तों के आपसी समन्वयन हेतु संयुक्त परिवार प्रणाली को पुनर्संस्थापित करने की अपील करती हूं क्योंकि मेरा अनुभव कहता है कि आजकल परेशान इंसान से तो कोई बात तक नहीं करना चाहता और आखिर जब वह अपने आपको बिल्कुल अकेला व असहाय पाकर अंदर से पूर्णतया टूटकर खुदकुशी करके अपनी जान गंवा देता है, उसके पश्चात लोग ज्ञान देते मिल जाते है कि वह काश अपनी समस्या हमको बता देता तो शायद हम उसकी मदद कर देते !

दूसरी घटना मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के आष्टा निवासी व कारोबारी दंपति मनोज परमार व नेहा परमार की है। मनोज परमार व नेहा परमार हमेशा से कांग्रेस पार्टी के समर्थक थे। 2022 में जब राहुल गांधी की पहली भारत जोड़ो यात्रा मध्य प्रदेश से निकल रही थी, उस समय इसी कारोबारी के बच्चों ने राहुल गांधी को अपनी गुल्लक भेंट की थी और उसी दिन से इस कारोबारी पर प्रवर्तन निदेशालय, माफ कीजिएगा प्रताड़ना निदेशालय के अधिकारियों की बुरी नजर लग चुकी थी। ईडी अधिकारियों द्वारा इस कारोबारी पर भाजपा से जुड़ने और अपने बच्चों से राहुल गांधी के खिलाफ वीडियो बनवाने का दबाव बनाया जाने लगा। कारोबारी ने ईडी के अधिकारियों की बात को मानने से इनकार कर दिया तो आखिर 05 दिसंबर 2024

को सुबह 5 बजे ईडी के अधिकारी इस कारोबारी के घर की अचानक तलाशी लेने पहुंच गए। अधिकारियों ने पहले उनके घर के सारे सीसीटीवी बंद करवाके सबके मोबाइल छीन लिए और उनकी पत्नी और बच्चों को घर के एक कमरे में बंद कर दिया। फिर गाली गलौज करते हुए ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर संजीत कुमार साहू अपनी मनमर्जी से बयान लिखकर व उस पर जबरदस्ती हस्ताक्षर करवाने के साथ धमकी देकर उनकी संपत्ति के सारे कागजात व दस लाख तक की नकदी - जेवर व मोबाइल जब्त करके ले गए। तलाशी के दौरान ईडी के अधिकारी बार - बार कह रहे थे कि -- % अभी भी तुम भाजपा ज्वाइन कर लो वर्ना ऐसी - ऐसी धाराएं लगाएंगे कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बन जाएगा तो भी नहीं हटा पाएगा इसलिए मामला सेटल कर लो और फ्री हो जाओ।= ईडी अधिकारियों की इस प्रताड़ना से दोनों ही पति - पत्नी बहुत ही डर गए और आखिर 12 दिसंबर की रात वे एक पांच पन्नों के सुसाइड नोट में अपनी आपबीती लिखते हुए राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी से अपने तीनों बच्चों (बड़ी बेटी जिया 18 वर्ष, बड़ा बेटा जितन 16 वर्ष और छोटा बेटा यश 13 वर्ष) की देखभाल की मार्मिक अपील के साथ ही अपने तीनों बच्चों को अकेले छोड़ दोनों पति - पत्नी दुनिया को अलविदा कह गए। मैं तो कहती हूं इन ईडी अधिकारियों पर हत्या का मुकदमा चलना चाहिए। याद रहे ये वही जांच एजेंसियां है जो विपक्ष में रहते हुए अजीत पवार, प्रफुल पटेल, छान भुजबल, हसन मुशरिफ की हजारों करोड़ की संपत्तियां कुर्क कर देती है और अजित पवार द्वारा बीजेपी के साथ आने पर उन सबको क्लीन चिट दे देती है। ऐसा ही शिवसेना शिंदे गुट के नेताओं के साथ भी हुआ था। लगता है ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स जैसी इन केंद्रीय जांच एजेंसियां का एकमात्र मकसद सिर्फ विपक्ष के नेताओं व उनका सामर्थन करने वाले कारोबारियों को प्रताड़ित करना और उन्हें भाजपा के पाले में लाकर और वाशिंग मशीन में धोकर उनके दाग मिटाकर क्लीन करना ही रह गया है। ये बात इलेक्टोरल बॉन्ड के आंकड़ों से भी प्रमाणित हो चुकी है। ईडी मतलब एक्सपर्टॉर्शन डिपार्टमेंट !

मेरा अनुभव कहता है सरकार भले किसी भी पार्टी की आए हर नई सरकार में पिछली सरकार की तुलना में भ्रष्टाचार डेढ़ गुना बढ़ जाता है।

उपरोक्त दोनों ही घटनाओं ने न सिर्फ किसी हंस्ते - खेलते परिवार से उनके सदस्यों को छीनकर उनकी खुशियों को मातम में बदला बल्कि भारतीय समाज, सरकारी तंत्र व न्यायपालिका के विद्वरूप चेहरे का नकाब भी उतारा है फिर भी हम लोग कुछ दिन इंसाफ की मांग करते हुए सड़कों पर बैनर लेकर केंडल मार्च निकालेंगे लेकिन धीरे - धीरे सब लोग भूल जाएंगे क्योंकि अब पूरा मुल्क ही अंधेरी नगरी चौपट राज की भांति भगवान भरोसे चल रहा है। नेता, अफसर, पुलिस, वकील से लेकर धर्मगुरु तक हर इंसान भ्रष्टाचार से आकंट होकर नैतिकता व इंसानियत को सिर्फ निगल ही नहीं रहा बल्कि हज़म भी कर चुका है। हालांकि खुदकुशी का विचार करने वालों को भी मेरी विनम्र सलाह है कि आत्महत्या किसी समस्या का अंतिम समाधान नहीं है और मेरी माताजी की तो सीख है -- दिन बुरे हो सकते हैं, संपूर्ण जिंदगी नहीं।

आजीविका मिशन ने महिलाओं को दी नई उड़ान खरगौन के श्रीशक्ति स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने शुरू की पापड़ निर्माण यूनिट

रायसेन। मप्र डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने महिलाओं को एक नई उड़ान दी है। स्व-सहायता समूहों से जुड़कर आज गांव की महिलाएं भी आत्मनिर्भर बन रही हैं। रायसेन जिले के बाड़ी विकासखण्ड के ग्राम खरगोन की महिलाएं भी अपने हुनर से घर बैठे हजारों रुपए कमा रही हैं और आर्थिक रूप से मजबूत बन तेजी से आगे बढ़ रही है।

ग्राम खरगोन के श्रीशक्ति स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई सरकार की प्रधानमंत्री खाद्य प्रसंस्करण योजना की मदद से पापड़ यूनिट की स्थापना की है। जिसका संचालन समूह की 11 महिला सदस्यों द्वारा मिलकर किया जा रहा है। इस पापड़ यूनिट की लागत बारह लाख रू है जिसमें आठ लाख रू बैंक ऋण के माध्यम से कम ब्याज दर पर प्राप्त हुए हैं। श्रीशक्ति स्व-सहायता समूह की महिलाएं सरकार से मदद मिलने के बाद इस पापड़ यूनिट को शुरू कर अच्छा मुनाफा कमा रही हैं। समूह की महिलाओं द्वारा पापड़ तैयार किए जा रहे हैं, जिनकी स्थानीय स्तर पर अच्छी मांग है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए समूह की अध्यक्ष श्रीमती विनीता बाई तथा सचिव श्रीमती भारती बाई ने बताया कि सरकार की मदद से आज ना सिर्फ वह और समूह की अन्य महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, बल्कि उनका परिवार और समाज में मान-सम्मान भी बढ़ा है। उन्होंने बताया कि वह और ग्राम की अन्य महिलाएं परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के चलते स्वरोजगार स्थापित कर परिवार की उन्नति में सहयोग देना चाहती थीं, लेकिन कुछ समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या व्यवसाय करें और उसके लिए राशि कहाँ से आएगी। जब उन्हें पता चला कि सरकार द्वारा महिलाओं की आर्थिक



उन्नति के लिए स्व-सहायता समूहों के माध्यम से रोजगार से जोड़ा जा रहा है तो उन्होंने भी समूह से जुड़कर रोजगार स्थापित करने की ठानी।

उन्होंने बताया कि श्रीशक्ति स्व-सहायता समूह का गठन 01 फरवरी 2023 को हुआ था, जिसमें 11 महिला सदस्य हैं। जब उन्हें यह ज्ञात हुआ कि समूह के माध्यम से खाद्य उत्पाद वस्तु के लिए मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से यदि कोई उत्पाद इकाई लगाई जाती है तो उसके लिए आजीविका मिशन कार्यालय से मार्गदर्शन प्राप्त होता है। उन्हें ज्ञात हुआ कि प्रधानमंत्री खाद्य प्रसंस्करण योजना के तहत बैंक से ऋण एवं ग्राम संगठन के माध्यम से आर्थिक सहयोग लेकर उद्योग स्थापित किया जा सकता है। आजीविका मिशन के जिला व विकासखण्ड कार्यालय से पूरी जानकारी प्राप्त कर समूह द्वारा 12 लाख रू लागत से पापड़ निर्माण उद्योग स्थापित करने के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

बरेली के माध्यम से आवेदन किया। बैंक से सतत सम्पर्क तथा कार्यालय के सहयोग से समूह को इसी वर्ष फरवरी माह में आठ लाख रू की राशि स्वीकृत हो गई तथा फरवरी माह में ही राशि प्राप्त हो गई। इस राशि से महिलाओं ने अपने समूह श्रीशक्ति के नाम से ही पापड़ यूनिट शुरू की। मशीनरी व कच्चा माल खरीदकर ट्रायल बेस पर उत्पादन प्रारंभ किया, शुरू-शुरू में पापड़ विक्रय में कठिनाई आई। वर्तमान में बाड़ी, बरेली, होशंगाबाद तथा पिपरिया क्षेत्र के किराना दुकानों पर पापड़ का विक्रय किया जा रहा है। इसके अलावा शादी-विवाह के आयोजकों से सम्पर्क कर उन्हें भी पापड़ विक्रय किया जा रहा है। आज समूह की महिलाओं द्वारा बड़ी मात्रा में पापड़ तैयार कर विक्रय किए जा रहे हैं। स्वरोजगार से जुड़ने से महिलाओं के आर्थिक स्तर में उन्नति हुई है और घर-परिवार तथा समाज में मान-सम्मान भी बढ़ा है।

कलेक्टर श्री दुबे की अध्यक्षता में जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न



रायसेन। जिला परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) की बैठक कलेक्टर श्री अरविंद दुबे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गत दिवस सम्पन्न हुई। जिसमें कलेक्टर श्री दुबे द्वारा जिले की वार्षिक साख योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने शासकीय ऋण योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि समस्त शासकीय योजनाओं में लंबित प्रकरणों का वितरण बैंक एक सप्ताह के अंदर सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री दुबे ने बैंकों को जन सुरक्षा अभियान एवं मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के निर्देश भी दिये। बैठक में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया भोपाल क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजीव रंजन सिन्हा ने समस्त बैंकर्स को शासकीय ऋण योजनाओं के लक्ष्य दिसंबर माह में ही पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि श्री मयंक सेमवाल एवं डीडीएम नाबार्ड श्री दीपक पाटिल विशेष रूप से उपस्थित रहे। अग्रणी जिला प्रबंधक श्री एचएस सोनी ने सितंबर तिमाही की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

सुशासन सप्ताह के तहत 19 से 24 दिसम्बर तक चलेगा “प्रशासन गांव की ओर” अभियान

रायसेन। रायसेन जिले में 19 से 24 दिसम्बर 2024 तक मनाए जा रहे सुशासन सप्ताह के दौरान 19 दिसम्बर से राख्यपी अभियान “प्रशासन गांव की ओर” शुरू किया जा रहा है। जिसके तहत जनसेवा संबंधी शिकायतों के निराकरण हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाएगा। कलेक्टर श्री अरविंद दुबे ने नागरिकों से इन विशेष शिविरों में भाग लेकर शासन की सेवाओं व योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है। इस अभियान में ग्रामीणों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी एवं पात्र हितग्राहियों को इन योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। इसके साथ ही 23 दिसंबर को जिला स्तर पर प्रसार कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। जिसमें जिले से संबंधित परिचर्चा एवं किए जा रहे नवाचारों को साझा किया जाएगा।

जेल में एक रात बिताने के बाद रिहा हुए अल्लू अर्जुन : बाहर आते ही मांगी माफी

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद स्थित संध्या थिएटर भगदड़ मामले में आज जेल से रिहा होने के बाद अल्लू अर्जुन मीडिया से मुखातिब हुए। बातचीत के दौरान 'पुष्पा' अभिनेता ने थिएटर में हुए भगदड़ को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। इसके साथ ही अभिनेता ने माफी भी मांगी। जेल से रिहा हुए अल्लू अर्जुन ने भगदड़ मामले पर खुलकर बात की और कानून का साथ देने की भी बात कही, पुष्पा अभिनेता ने कहा, सहयोग के लिए आप सभी का धन्यवाद, मैं एकदम ठीक हूँ। हैदराबाद में हुई घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण थी और इस पूरे मामले में मैं कानून के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हूँ, मैं कानून की इज्जत करता हूँ। दुखद घटना को लेकर मेरी पूरी संवेदनाएं शोक में डूबे परिवार के साथ हैं। बहुत दुखद है कि परिवार फिल्म देखने आया था और उनके साथ ऐसा हुआ। जो भी हुआ उसके लिए मैं माफी मांगता हूँ मगर ये सब मेरे नियंत्रण से बाहर की बात थी। मैं कई साल से थिएटर में जाता रहा हूँ, मगर ऐसा कभी नहीं हुआ। एक बार फिर से शोक संतप्त परिवार के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। जहां तक हो सकेगा मैं परिवार का साथ दूंगा। लोकप्रिय टॉलीवुड अभिनेता अल्लू अर्जुन संध्या थिएटर भगदड़ में हुई महिला की मौत मामले में शनिवार सुबह चंचलगुड सेंट्रल जेल से रिहा हुए। अभिनेता को शुक्रवार शाम को तेलंगाना उच्च न्यायालय



द्वारा अंतरिम जमानत दी गई थी, जबकि एक निचली अदालत ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत पर भेज दिया था। जेल अधिकारियों को जमानत आदेश मिलने में देरी के कारण उन्हें रात जेल में ही बितानी पड़ी। जेल अधिकारियों ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता को जेल के पिछले गेट से रिहा किया। उन्हें एक एस्कोर्ट वाहन में भेजा गया। अभिनेता सीधे गीता आर्ट्स के कार्यालय पहुंचे। अल्लू अर्जुन जबली हिल्स स्थित अपने आवास पर पहुंचे। पुलिस ने उनके आवास के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर रखी है। शुक्रवार रात को उनकी रिहाई को लेकर सस्पेंस बना हुआ था। जेल अधिकारियों ने बताया था कि उन्हें देर रात जमानत का आदेश मिला और चूँकि

जेल मैनुअल के अनुसार कैदियों को रात के समय रिहा नहीं किया जा सकता इसलिए अभिनेता को अगली सुबह रिहा किया जाएगा। अल्लू अर्जुन ने शुक्रवार को रिमांड पर लिए गए नामपल्ली कोर्ट द्वारा दिए गए विशेष दर्जे के तहत मंजीरा ब्लॉक में रात बिताई। अभिनेता के बड़ी संख्या में प्रशंसक जेल के बाहर उनकी रिहाई का इंतजार कर रहे थे। अल्लू अर्जुन के वकीलों ने हाईकोर्ट के निर्देशानुसार जेल अधीक्षक को 50,000 रुपये का निजी मुचलका जमा करवाया। पुष्पा-2 एक्टर अल्लू अर्जुन शनिवार सुबह करीब 6.30 बजे चंचलगुड सेंट्रल जेल से रिहा हुए। उनके पिता अल्लू अरविंद और ससुर कंचरला चंद्रशेखर रेड्डी उन्हें लेने जेल पहुंचे थे।

असली हिंदू और उसकी विचारधारा से उद्धव ठाकरे कोसों दूर - राम कदम

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र कैबिनेट के विस्तार और बांग्लादेश तथा मणिपुर को लेकर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के प्रेस कॉन्फ्रेंस पर भाजपा नेता राम कदम ने शुक्रवार को अपनी प्रतिक्रिया दी। आईएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि असली हिंदू और उसकी विचारधारा से उद्धव ठाकरे कोसों दूर हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री

उद्धव ठाकरे के प्रेस कॉन्फ्रेंस में बांग्लादेश और मणिपुर मुद्दे पर चर्चा को लेकर राम कदम ने कहा, लोकसभा चुनाव जीतने के बाद जिस उद्धव ठाकरे के जुलूस में पाकिस्तान के झंडे लहरा रहे थे, वह प्रेस वार्ता करने की नौटंकी कर रहे हैं। उद्धव ठाकरे की विचारधारा बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा से बहुत दूर है। जब महाराष्ट्र की जनता ने उनको यह अहसास दिलाया, तब उन्हें हिंदुत्व की बात याद आई। सारे साथी और बालासाहेब के सारे सेवक उनको छोड़कर चले गए। खून के रिश्तेदारों ने भी उनसे दूर जाने का फैसला किया। असली हिंदू और उसकी विचारधारा से उद्धव ठाकरे कोसों दूर हैं।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, कांग्रेस की लीडरशिप सिर्फ प्रांत नहीं, बल्कि पूरे देश में फेल हो गई। तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी अब स्वयं कह रही हैं कि वह इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करेंगी। राहुल गांधी के नेतृत्व में वे लोग लोकसभा के तीन चुनाव हारे। इसलिए ममता बनर्जी के अलावा अन्य सहयोगी दलों को उनका नेतृत्व मान्य नहीं है। हालांकि यह फैसला उन लोगों का है, उन्हीं को इसका निर्णय लेना चाहिए।

महाराष्ट्र कैबिनेट विस्तार को लेकर भाजपा नेता ने कहा, बहुत ही जल्द कैबिनेट का विस्तार होगा। सारी चीजें तय हो चुकी हैं। तीनों दलों में पूरी तरह से समन्वय और संवाद है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सभी नामों की घोषणा बहुत ही जल्द करेंगे। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की महायुति सरकार में अभी कैबिनेट का विस्तार बाकी है। हाल ही संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीत दर्ज करने के बाद भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री, एनसीपी नेता अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं और कोल्ड वेव से बढ़ी ठंड

नोएडा, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में लगातार चल रही तेज हवाओं ने ठंड का एहसास को बढ़ा दिया है। कोल्ड वेव का असर साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में लोगों को घने कोहरे का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान पारे में और भी ज्यादा गिरावट दर्ज की जाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 14 दिसंबर को अधिकतम तापमान 23 और न्यूनतम तापमान 8 दर्ज किया गया है। वहीं 15 दिसंबर को अधिकतम तापमान 23 और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री रहने की संभावना है। 16 दिसंबर से न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज होने की उम्मीद है और घना कोहरा छाया रह सकता है। 16 दिसंबर को अधिकतम तापमान 23, न्यूनतम तापमान 6 डिग्री रहने की संभावना है। मौसम विभाग की मानें तो 16 दिसंबर के बाद से एनसीआर के लोगों को लगातार कोहरे का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान पारे में भी लगातार गिरावट दर्ज की जाएगी। गौरतलब है कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते इस बार पहाड़ों पर जमकर बर्फबारी हो रही है। इसका असर एनसीआर में साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। जिन पहाड़ों पर बीते कई सालों से बर्फबारी नहीं हुई थी, वहां पर वादियां बर्फ से पटी पड़ी हैं। इस कारण दिल्ली-एनसीआर में कोल्ड वेव की दस्तक हो चुकी है। मौसम विभाग के मुताबिक, बीते दिनों न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था।

कोविड-19 धोखाधड़ी मामले में अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर, सरकार को 167 करोड़ का नुकसान पहुंचाने का आरोप

बेंगलुरु, एजेंसी। कोविड-19 महामारी के दौरान धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल कर्नाटक के कई सरकारी अधिकारियों और प्राइवेट कंपनियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उनपर सरकारी खजाने को 167 करोड़ रुपये का भारी नुकसान पहुंचाने का आरोप है। यह मामला चिकित्सा कर्मियों के लिए सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट और एन95 मास्क की अवैध खरीद पर केंद्रित है। चिकित्सा शिक्षा निदेशालय (डीएमई) के मुख्य अकाउंटिंग अधिकारी डॉ. एम. विष्णुप्रसाद ने एफआईआर दर्ज कराई। उन्होंने अपनी शिकायत में डीएमई के एक पूर्व निदेशक और सेराटिन प्राइवेट कंपनियों के प्रबंधन समेत प्रमुख हस्तियों पर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू

की कर्नाटक के विधान सौध पुलिस स्टेशन ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन इसमें शामिल किसी भी राजनीतिक या शीर्ष पद पर मौजूद अधिकारी के नाम का खुलासा करने से मना किया गया है। शिकायत में बताया गया कि 2020 में कोविड-19 महामारी के चरम पर होने के दौरान चिकित्सा शिक्षा विभाग आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति खरीदते समय कानूनी खरीद प्रक्रियाओं का पालन करने में विफल रहा। 18 अगस्त 2020 को राज्य सरकार ने 17 सरकारी कॉलेजों और एक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल में डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों के लिए 2.59 लाख एन95 मास्क और पीपीई किट को अधिकृत किया था। सरकारी आदेशों के बावजूद खरीद प्रक्रिया में कई अवैधताएं



देखी गईं। पीपीई किट की आपूर्ति के लिए टेंडर जारी किया गया था, लेकिन मालूम चला कि अस्पतालों तक किट की आपूर्ति नहीं की गई। दस्तावेजों और चालान में भी गड़बड़ी देखी गई। एफआईआर में आगे बताया गया कि मुंबई की एक

कंपनी ने इस धोखाधड़ी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ अधिकारियों पर इस धोखाधड़ी को बढ़ावा देने का भी आरोप है। राज्य सरकार को हुआ 167 करोड़ का नुकसान : शिकायतकर्ता डॉ. एम. विष्णुप्रसाद

का मानना है कि अवैध खरीद गतिविधियों के कारण राज्य सरकार को कुल 167 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने आरोपियों को इस मामले में नोटिस जारी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जल्द ही इसमें शामिल सभी लोगों से पूछताछ हो सकती है। इस धोखाधड़ी की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन भी किया जा सकता है।

कर्नाटक सरकार ने सात दिसंबर को कोविड-19 अनियमितताओं के संबंध में जस्टिस माइकल डीकुंहा द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई पर चर्चा के लिए एक बैठक की। इस बैठक में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, गृह मंत्री जी परमेश्वर, स्वास्थ्य मंत्री गुंडुवार, और अन्य समिति के सदस्य मौजूद थे।

आज होगा महाराष्ट्र की महायुति सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार, करीब 30 मंत्री लेंगे नागपुर में शपथ

मुंबई, एजेंसी। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने बताया कि राज्य विधानमंडल का एक सप्ताह तक चलने वाला शीतकालीन सत्र नागपुर में 16 दिसंबर से शुरू होगा। इससे एक दिन पहले 15 दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह होगा। साथ ही साथ उसी दिन शीतकालीन अधिवेशन में जिन बिंदुओं पर काम काज किया जाएगा उसके बारे में मुख्यमंत्री और एवं दोनों उपमुख्यमंत्री जानकारी देंगे। दोपहर में विपक्ष अपनी रणनीति का खुलासा भी करेगा कि किस तरीके से शीतकालीन सत्र में वह सरकार को घेरेंगा।

43 सदस्य होने का अनुमान : दरअसल, पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि मंत्रिमंडल का गठन 14 दिसंबर को मुंबई में होगा। लेकिन विभागों के बंटवारे में एवं विधायकों को मंत्री बनाने की चयन प्रणाली में देरी होने से मंत्रिमंडल का गठन नागपुर में 15 दिसंबर को होगा। महाराष्ट्र की महायुति सरकार के मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 43 सदस्य हो सकते हैं। बता दें, मुंबई में पांच दिसंबर को भव्य समारोह में भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद, शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे



और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। बावनकुले ने की इन नेताओं से मुलाकात : इन सबके बीच, भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार से अलग-अलग मुलाकात की। दक्षिण मुंबई में पवार के देवगिरी स्थित बंगले पर बातचीत हुई। महायुति ने 230 सीटों पर दर्ज की जीत : बता दें कि 20 नवंबर को हुए

विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए गए थे। महायुति गठबंधन ने राज्य की 288 सीट में से 230 सीट जीतकर सत्ता हासिल की थी। महायुति में शामिल भाजपा 132 सीट के साथ सबसे आगे रही। वहीं एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 57 और अजित पवार की एनसीपी को 41 सीट पर जीत मिली थी।

सियासी उठा-पटक जारी : सरकार गठन में पहले ही उतार-चढ़ाव आ चुके हैं और शिंदे ने फडणवीस के लिए शीर्ष पद पर जगह बनाई है। शिंदे, जो सरकार का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे और पार्टी संगठन पर ध्यान केंद्रित करने के इच्छुक थे, को डिप्टी सीएम के रूप में शपथ लेने के लिए राजी किया गया।

शिवसेना ने कई मौकों पर शिंदे को उनके कद के अनुरूप पद दिए जाने की बात कही है। वहीं, वह गृह विभाग की मांग कर रहे हैं, जिस पर भाजपा सहमत नहीं हुई है। सूत्रों के अनुसार भाजपा को 20-21 मंत्री पद मिलने की संभावना है, जबकि शिवसेना को 11-12 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को 9-10 मंत्री पद मिल सकते हैं।

एक देश-एक चुनाव बिल सोमवार को लोकसभा में होगा पेश, चर्चा के लिए जेपीसी में भेजा जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सोमवार 16 दिसंबर को लोकसभा में एक देश एक चुनाव बिल 2024 पेश करेंगे। इस बिल को चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में भेजा जाएगा। लोकसभा के चुनाव एकसाथ कराने के लिए पहला संशोधन विधेयक लाया जाएगा। दूसरा विधेयक दिल्ली और जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी में विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए लाया जाएगा।

मंत्रिमंडल ने एक देश एक चुनाव विधेयक को दे दी मंजूरी : केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को एक देश, एक चुनाव विधेयक को मंजूरी दे दी। इससे पहले सितंबर में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक देश, एक चुनाव को लेकर बनी कोविंद समिति की रिपोर्ट को मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले 2019 में 73वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक देश एक चुनाव के अपने विचार को आगे बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि देश के एकीकरण की प्रक्रिया हमेशा चलती रहनी चाहिए। 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भी प्रधानमंत्री ने इस पर विचार रखा था।

इस प्रस्ताव का उद्देश्य पूरे देश में लोकसभा और विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराना है। फिलहाल लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग होते हैं, या तो पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद या जब सरकार किसी कारण से भंग हो



जाती है। इसकी व्यवस्था भारतीय संविधान में की गई है। अलग-अलग राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल अलग-अलग समय पर पूरा होता है, उसी के हिसाब से उस राज्य में विधानसभा चुनाव होते हैं। हालांकि, कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होते हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम जैसे राज्य शामिल हैं। वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम जैसे राज्यों के चुनाव लोकसभा चुनाव से एक साल पहले हुए तो लोकसभा चुनाव खत्म होने के छह महीने के भीतर हरियाणा, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव हुए।